सूक्ष्म शरीर की असीम क्षमता को समझें...

जिस बात को समझाने में या किसी को किसी की परिस्थिति के बारे में बताने में या अपनी बात दूर तक पहुँचाने में हमारे पास एक ऐसा यन्त्र है या यूं कहें कि एक ऐसा शस्त्र है जो कभी भी किसी भी स्थान पर क्षणमात्र में पहुँच सकता है। लेकिन क्षण-मात्र में पहुँचाने के लिए अपने उस यन्त्र या शस्त्र के बारे में जानकारी तथा उससे उपजी तरंगों के बारे में हमें जानना होगा। इस अंत:वाहक शरीर और उससे उपजी शक्ति का एहसास सभी को होने लगेगा, यदि हम इसे विकसित कर लें तो।

हमारी आत्मा दो शरीरों में विराजमान है, पहले को स्थूल शरीर और दूसरे को सूक्ष्म शरीर कहा जाता है। सूक्ष्म शरीर को अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नाम देते हैं, कोई इसे एथरिक बॉडी कहता, कोई इसे एनर्जी बॉडी कहता, कोई इसको अंत:वाहक शरीर कहता। स्थूल शरीर में पाँच तत्व होते हैं, लेकिन सूक्ष्म शरीर में तीन तत्व होते हैं, इसमें जल व पृथ्वी तत्व का अभाव होता है। सूक्ष्म शरीर के आधार से ही हमारा स्थूल शरीर चलता है। सूक्ष्म शरीर की रचना बड़ी ही गुह्य है, इसका निर्माण हमारे संकल्पों के आधार से होता है। इस शरीर के अंदर सात चक्र विराजमान हैं, इन चक्रों को हम ऊर्जाकेन्द्र भी कहते हैं। जब ये ऊर्जाकेन्द्र सक्रिय होते हैं, तो हमारा स्थूल शरीर बहुत तीव्रता से काम करता है और निरोगी भी रहता है, लेकिन जब हमारे ऊर्जाकेन्द्र कम काम करते हैं तो हमें बीमारियाँ होने लग जाती हैं।

सभी लोग सोचते कि बीमारी होने का कारण बाहरी खानपान या फिर छुआ-छूत या संक्रमण की वजह से होता है, बीमारी का एक कारण ये हो सकता है, परंतु सभी बीमारियों का यही कारण नहीं होता। आज बहुत सारे लोग मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं, उनका ब्रेन ठीक तरह से काम नहीं करता। कुदरत में हमारी आत्मा अलग-अलग शरीरों में अलग-अलग संस्कारों के साथ है, लेकिन कुदरत ने ब्रेन सबको एक जैसा ही दिया है। उदाहरण के रूप में हम कह सकते हैं कि जैसे कम्प्युटर का हार्ड डिस्क है, जिसके अंदर आप बहुत सारे डाटा स्टोर कर सकते हैं, और उसको जब चाहे यूज़ कर सकते हैं। लेकिन उसमें कौन सा डाटा उपयोगी है, कौन सा अनुपयोगी है, उसका निर्णय तो आपको करना होगा ना। कहने का अर्थ यह है कि यदि खराब डाटा होगा तो उसके अंदर वायरस भी हो सकता है जो हमारे हार्ड डिस्क को खराब भी कर सकता है। इसी तरह हमारा ब्रेन भी है। हमारे ब्रेन के अंदर डाटा स्टोरेज होता है, लेकिन अगर नेगेटिव डाटा का स्टोरेज होगा तो वो ब्रेन को खराब करेगा। आज बहुतों के इनपुट डिवाइस आँख, कान, नाक, मुँह आदि से जो डाटा आत्मा लेती है वो ब्रेन द्वारा एक्ज़ीक्यूट करती है। उसी के आधार से हमारे सारे अंग काम करते हैं। हम आपको ये बताना चाहेंगे कि दुनिया में इलेक्ट्रिक ऊर्जा, मैगनेटिक ऊर्जा आदि को टैप करने की मशीनें बनी हैं, लेकिन आज तक कॉस्मिक ऊर्जा को टैप करने की मशीन नहीं बनी है। कॉस्मिक ऊर्जा को सिर्फ माइंड ही टैप

ब्र.कु.अनुज,दिल्ली

- शेष पेज 11 पर...

मन की बातें

-ब्र.कु. सूर्य

प्रश्न:- बाबा हमेशा कहते हैं कि बाप के दिलतख्तनशीन रहो। कौन बैठ सकते हैं बाबा के दिल पर और हम कैसे समझें कि हम दिलतख्तनशीन हैं या नहीं?

उत्तर:- भगवान के दिल पर राज्य करना - सोचकर ही कितना आनन्द आता है। इसका अर्थ है हमें वे बहुत प्यार करते हों, वे हमें चाहते हों, वे हमारा हमेशा ध्यान रखते हों। यह फीलिंग अंदर ही अंदर आयेगी। कई ये सोचकर परेशान रहते हैं कि शायद बाबा के दिल पर तो वही हैं जो साकार में उनसे स्टेज पर मिलते हैं। वे कभी-कभी यह भी देखते हैं कि स्टेज पर तो बाबा उन्हें बहुत प्यार कर रहा है जिनकी स्थिति निम्न स्तर की है तो कइयों के बहुत संकल्प चलते हैं। परन्तु नहीं, वे तो प्यार के सागर हैं, सबको ही प्यार करते हैं। देखना ये है कि जिन्हें वे प्यार करते हैं, उनके प्यार का रेसपॉन्स वे क्या करते हैं? यदि वे ईश्वरीय आज्ञाओं पर पूर्णतया नहीं चलते तो प्यार के सागर का प्यार भी उनका कल्याण नहीं कर सकता।

घर बैठे ही आपको बाबा का प्यार अनुभव होगा, उनकी मदद अनुभव होगी, उनकी दृष्टि अनुभव होगी। अमृतवेले सुखद अनुभूति होगी, मुरली से उसका प्यार अनुभव होगा। ये है सच्चा प्रभु प्यार।

भगवान के दिल पर चढ़ने वालों की तीन धारणाएं होंगी। प्रथम तो उन्होंने बाप को अपने दिल में बिठाया होगा, इसका अर्थ है कि वे योगयुक्त होंगे। दूसरा वे मास्टर सर्व शक्तिवान के नशे में रहेंगे और तीसरा उनकी स्थिति श्रेष्ठ होगी। श्रेष्ठ स्थिति अर्थात् वे सदा एकरस प्रसन्न रहेंगे, उनके मूड नहीं बदलेंगे, वे क्रोध नहीं करेंगे, वे परेशान नहीं होंगे और वे हर परिस्थिति में शांत व अचल अडोल रहेंगे।

प्रश्न:- बाबा को मिलने के बाद मेरे जीवन में सुख-शांति आ गई। मेरी जन्म-जन्म की प्यास बुझ गई। परंतु मेरे परिवार में अभी भी अशांति बनी रहती है, कोई न कोई विघ्न आते ही रहते हैं। मैं इनसे मुक्ति का उपाय जानना चाहता हूँ?

उत्तर:- आप यदि अमृतवेले उठकर बहुत पावरफुल योग करेंगे तो आपके घर के अनेक विघ्न हट जायेंगे। घर को निर्विघ्न व सुख-शांति सम्पन्न बनाने के लिए घर के वायब्रेशन्स को खुशी व प्रेम से भरना आवश्यक है। जिस परिवार में खुशी व प्रेम होगा, वहां आपदाएं विपदाएं ठहरेंगी ही नहीं। खुशी के लिए एक ही बात करें कि किसी भी छोटी बात को तूल न दें। हर बात को हल्का करके जल्दी से जल्दी समाप्त किया करें। कुछ लोगों को आदत होती है बातों को लम्बा खींचने की, वे बातों को समाप्त करते ही नहीं। इससे सबकी खुशी नष्ट होती है। आपसी प्रेम बढ़ाने के लिए सभी को इस नज़र से देखो कि ये सब आत्माएं देवकुल की महान् आत्माएं हैं।

घर निर्विघ्न रहे इसके लिए अपने घर में, दुकान में या ऑफिस में 5 बार बाप-दादा का आह्वान करें और यह फील करें कि बाप-दादा आपके घर में आ गये और उनके अंग-अंग से चारो ओर किरणें फैल रही हैं।

तीसरी बात - घर में तीन बार दस-दस मिनट बैठकर इस तरह से योग करो कि मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूँ और ज्ञान सूर्य की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं, फिर वो पूरे घर में फैल रही है। ऐसा करना नियम बना लो तो विनाशकाल में भी सुखद अनुभव होंगे।

प्रश्न:- मैंने पवित्रता की प्रतिज्ञा कर ली है, परन्तु अभी भी मुझे अपवित्र स्वप्न आते हैं तथा बुरे संकल्प भी चलते हैं, मैं अपनी पवित्रता से संतुष्ट नहीं हूँ। मेरा संकल्प तो सम्पूर्ण पवित्र बनने का है, उपाय बतायें?

उत्तर:- सम्पूर्ण पवित्रता की यात्रा एक लम्बी यात्रा है। इसके लिए चाहिए लम्बे काल की राजयोग की साधना। अपवित्रता के संस्कार लम्बे काल की तपस्या से ही नष्ट होंगे। यदि ब्रह्मचर्य की प्रतिज्ञा करके कोई मनुष्य योग-तपस्या नहीं करता तो ब्रह्मचर्य उसे निराशा ही प्रदान करेगा। इसलिए जिन्होंने ब्रह्मचर्य का तप अपनाया है उन्हें प्रतिदिन 4 घण्टे योग-साधना करनी ही चाहिए तब पवित्रता जीवन का आनंद बन जायेगी।

काम वासना को दबाने से वह पुनः स्वप्न व विकल्पों के रूप में जागृत होगी। वासना के कीटाणुओं को नष्ट करना है `योग-अग्नि' से। तीन तरीकों से ये शक्ति रूपांतरित होती है। राजयोग की साधना से, मनन चिंतन से व कठिन परिश्रम से। यदि ऐसा नहीं तो ये शक्ति विघ्नकारी होगी। साथ में भोजन भी हल्का करें, मिर्च मसाले छोड़ दें। दक्षिण भारत के एक कुमार ने गाय के दूध पर जीवनयापन शुरु किया। 8 मास हो गये होंगे, वह सम्पूर्ण स्वस्थ है और उसकी पवित्रता आनंदकारी है। ज़रूरी नहीं कि आप भी ऐसा ही करें परन्तु भोजन की स्थूलता पवित्रता में बाधक है।

दो काम आप और करें। सवेरे आँख खुलते ही 7 बार संकल्प करें कि मैं पवित्रता का देवता हूँ, मेरी पवित्रता अति सुखकारी है और जब भी पानी या दूध पीयें तो उसे दृष्टि देकर 7 बार संकल्प करें कि मैं परम पवित्र आत्मा हूँ फिर पीयें। विशेषकर सोने से पूर्व यह प्रयोग अवश्य करें तथा भोजन खाते भी व बनाते भी यही अभ्यास करें इससे आपकी सारी समस्याएं समाप्त हो जायेंगी।

प्रश्न:- ईश्वरीय शक्तियों का कोई चमत्कारिक अनुभव किसी का हो तो हम उससे जानना चाहेंगे?

उत्तर:- एक कुमार कुछ दिन पूर्व ही मेरे पास आया और बताया कि मुझे बहुत समय से गले में तकलीफ थी, मैंने आपको फोन किया था। आपने जो विधि बताई, उससे दो दिन में ही गला ठीक हो गया। विधि थी - पानी को दृष्टि देकर 7 बार संकल्प करना कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ... फिर इस संकल्प से पीना कि इस पानी को पीने से मेरी गले की तकलीफ ठीक हो जाए। हुआ न वायब्रेशन्स का चमत्कारिक प्रभाव...।

प्रश्न:- मुझे छोटी-छोटी बातों में फीलिंग बहुत आती है, फिर सारा दिन मैं उदास रहती हूँ। यह मेरी बड़ी कमज़ोरी है, मैं इससे मुक्त होकर शक्तिशाली बनना चाहती हूँ, मैं क्या अभ्यास करूं?

उत्तर:- फीलिंग सचमुच आधी मृत्यु के समान है। इससे खुशी भी मर जाती है व उमंग-उत्साह भी। आप प्रशंसा की पात्र हैं जो आप इससे मुक्त होना चाहती हैं। यह भी एक तरह की अपवित्रता ही है। लक्ष्य बना लो मुझे 6 मास अच्छी साधना करके स्वयं को फीलिंग के फ्लू से मुक्त होना है।

ये संकल्प कभी न करना कि कोई मुझे कुछ कहे नहीं। हम गलती करेंगे तो बड़े तो कुछ कहेंगे ही। इसलिए हल्के रहकर दूसरों की बात या डाँट सुनना है। प्रतिदिन एक अव्यक्त मुरली पढ़कर उसकी 5 बातें लिखनी है।

प्रतिदिन सवेरे उठते ही ये संकल्प 7 बार करना है ``मैं फीलिंग से मुक्त हूँ और मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ।''

6 मास तक 3 स्वमान प्रतिदिन 25 बार याद करने हैं। 1. मैं एक महान आत्मा हूँ, 2. मैं विजयी रत्न हूँ, 3. मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। साथ-साथ प्रतिदिन विशेष इसके लिए एक घण्टा योग भी करें।

ये सब करने से जीवन से फीलिंग समाप्त हो जायेगी और आप सदा खुश रहने लगेंगी। यह भी ध्यान रहे कि फीलिंग आने पर सेवा व भोजन नहीं छोड़ना है।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com

उपलब्ध पुस्तकें

DD डायरेक्ट फ्री दूरदर्शन DTH पर GOD TV में और DISH TV पर भी फ्री पीस ऑफ माइंड चैनल शाम 7.30 से रात्रि 10.00 बजे तक देख सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें... 8104-777111/9414151111